an>

Title: Need to run Mahuva-Surat Express on daily basis and extend its services upto Mumbai.

श्री नारणभाई काछड़िया (अमरेली) : अध्यक्ष महोदया, सूरत एक डायमंड सिटी एवं मुम्बई एक वाणिज्यिक शहर होने की वजह से इस रूट में बड़ी संख्या में लोग व्यापार के लिए आवागमन करते हैं तथा हजारों व्यापारी इस रूट का उपयोग करते हैं। ...(व्यवधान) लेकिन खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि इस रूट पर केवल एक ट्रेन महुवा-सूरत एक्सप्रैस (12946-12945) चलती है, जो पूरे सप्ताह में एक ही दिन चलती है और सूरत तक चलती है। ...(व्यवधान) इस कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। मैं इस विषय को लोक सभा सदन में वर्ष 2009 से लगातार उठा रहा हूं और अब यह प्रस्ताव डी.आर.एम. भावनगर डिवीजन की ओर से दिनांक 3.7.2014 को मुख्य यात्री परिचालन प्रबन्धक चर्च गेट मुम्बई के पास भेजा जा चुका है।

अतः मेरा आपसे सादर अनुरोध है कि इस ट्रेन को प्रतिदिन के आधार पर मुम्बई तक चलाया जाये।

HON. SPEAKER: I am again requesting all of you, please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: What is your point? There is nothing.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: I have allowed your leader to raise the matter. This is not proper.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: We have to start the discussion on the Motion of Thanks on the President's Address. Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This is not fair.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Please go to your seats.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet tomorrow, the 2nd March, 2016 at 11.00 a.m.

14.49 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, March 2, 2016/Phalguna 12, 1937 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्श्र्द अ ठ्ठद्धत्ड्ढड्ड ठ्ठडदृध्ड्ढ ण्ड्ढ दठ्ठर्ड्ढ दृढ ठ्ठ ग्ड्ढश्र्डड्ढद्ध त्दड्डत्हठ्ठय्ड्ढद्म् ण्ठ्ठद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्ढद्य्त्दृद ठ्ठद्म् ठ्ठहय्द्वठ्ठथ्न्र् ठ्ठत्ड्ढड्ड दृद ण्ड्ढ ढथ्दृदृद्ध दृढ ण्ड्ढ Hदृद्वम्ड्ढ डन्र् ण्ठ्ठद्य् ग्ड्ढश्र्डड्ढद्ध.

* घ्द्वडथ्म्रण्ड्ढड्ड त्द ण्ड्ढ ख्ठ्ठन्ड्ढय्ड्ढ दृढ ख्र्दड्डत्ठ्ठ, Eय्द्धठ्ठदृद्धड्डत्दठ्ठद्धन्र्, घ्ठ्ठद्धद्य्-ख्र्, च्ड्ढहय्त्दृद 2 ड्डठ्ठय्ड्ढड्ड 01.03.2016.

* ग़दृद्य् द्धड्ढहदृद्धड्डड्ढड्ड.

* ग़दृद्य् द्धड्ढहदृद्धड्डड्ढड्ड.